दिल्ली में ड्राई फ्रूट्स और नट्स की एक्ज़ीबिशन और ट्रेड कॉन्फ्रेंस "मेवा इंडिया 2024" के उद्घाटन दिवस पर माननीय अध्यक्ष महोदय का सम्बोधन

अभिवादन,

1. आज दिल्ली में इस यशोभूमि कन्वेन्शन सेंटर में ड्राइ फ्रूट्स और नट्स की एक्ज़ीबिशन और ट्रेड कॉन्फ्रेंस "मेवा इंडिया 2024" के आरंभ पर मैं ACRAW काउंसिल के के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का अभिनंदन करता हूँ।
2. मुझे बताया गया है कि dry fruits के क्षेत्र में अपनी तरह का यह पहला सम्मेलन है। इसकी सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस एक्ज़ीबिशन में दुनिया के 20 से अधिक देशों से करीब 3000 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।
3. इस प्रदर्शनी में 150 से अधिक स्टॉल लगाई गई है जिसमें ड्राइ फ्रूट्स के उत्पादों के बारे में लोगों को जानने का अवसर मिलेगा।
4. मुझे विश्वास है कि इस सम्मेलन में आपके विचार विमर्श से, चिंतन से भारत के Dry Fruit उद्योग को विकास का एक उत्तम आधार मिलेगा, आगे की एक राह बनेगी।
5. मित्रों, जब हम अपने देश के इतिहास की तरफ देखते हैं, तो हम पाते हैं कि एक समय था जब हमारे उत्पाद और हमारे व्यापारी दुनिया भर में जाकर अपने उच्च गुणवत्ता की सामग्री का व्यापार करते थे। भारत को अपने उत्पादों के लिए जाना जाता था। भारत ना सिर्फ धन-संपदा, सोने-चांदी में वैश्विक समृद्धि का केंद्र था; बल्कि खान-पान, औषधि, कला-संस्कृति में भी भारत दुनिया में सम्पन्न माना जाता था। एशिया और यूरोप के देशों में मेड इन इंडिया उत्पादों की एक साख होती थी। लेकिन बाद में कई कारण थे जिसके चलते हमारे वैश्विक बाजार और वैश्विक व्यापार पर असर पड़ा।
6. मित्रों, भारत क्षेत्रफल के हिसाब से दुनिया का सातवाँ बड़ा देश है। हमारे यहाँ लगभग सभी प्रकार की जलवायु, सभी प्रकार के मौसम देखने को मिलते हैं। भौगोलिक-सांस्कृतिक दृष्टि से विविधता लिए हुए हमारे देश में हर क्षेत्र की अपनी खासियत है, अपनी विशेषता है। देश के अलग अलग हिस्सों के अलग अलग उत्पाद हैं।
7. अगर dry fruits की बात करें तो कश्मीर की केसरऔर अखरोट आज दुनिया भर में प्रसिद्ध है। और केसर उत्पादन में हमारा कश्मीर दुनिया में दूसरे नंबर पर आता है। वहाँ हर साल केसर का 11 से 12 टन औसत

उत्पादन होता है। इसी तरह हिमाचल के सेब, दार्जिलिंग, नीलगिरी की चाय, कर्नाटक की कॉफी विश्व प्रसिद्ध है। दक्षिण भारत अपने काजू के लिए जाना जाता है।

8. ऐतिहासिक कालखंड से ही भारत विश्व व्यापार का केंद्र रहा है। भारत से होकर रेशम, कपास, मसाले, औषधि, अमूल्य रत्न, मोती, कीमती धातु और स्टील का निर्यात समुद्र मार्ग से दूसरे देशों में किया जाता था। संगम युग के समय हमारे देश से सूती कपड़े और मसाले जैसे- काली मिर्च, अदरक, इलायची, दालचीनी और हल्दी के साथ-साथ हाथी दाँत के उत्पाद, मोती और बहुमूल्य रत्न आदि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में एक्सपोर्ट किए जाते थे। आज हमें अपने इसी व्यापारिक क्षमता तो फिर से जीवित करने की आवश्यकता है।
9. भारत के अंदर Dry fruit उत्पादन और इसकी मार्केटिंग ऐसा सेक्टर है जिसमें अभी बहुत कुछ करने की संभावनाएं हैं।

   आपने बताया कि इस सेक्टर के अंदर आज कुल राजस्व लगभग 56000 करोड़ का है। लेकिन इस क्षेत्र में संगठित रूप से प्रयास नहीं होने के कारण विकास के optimum स्तर को प्राप्त नहीं किया जा सका है।
10. आज भी dry fruits को एक खास वर्ग का ही उत्पाद माना जाता है। लेकिन इस भ्रांति को तोड़ने के लिए, इसके विभिन्न उत्पादों को आम जनता तक किस रूप में पहुंचाया जाए ताकि इसका बाजार बढ़े, इसके लिए हमें अभिनव समाधान देने की आवश्यकता है। आप इस विषय पर भी इस सम्मेलन में चिंतन करें।
11. इस सेक्टर के stakeholders को एक मंच पर लाने का अपनी तरह का यह पहला प्रयास है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि यहाँ होने वाले विचार विमर्श और चर्चा संवाद से इस सेक्टर के विकास में सहायता मिलेगी।
12. यहाँ पर विश्व के dry fruits के अग्रणी उत्पादक और व्यापारी एकत्रित हैं। आप अपने ज्ञान और अनुभव आपस में साझा करेंगे और आगे का एक मार्ग निर्धारित करेंगे।
13. मित्रों, आज हमारे देश में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में ऐसी सरकार है जिसने हर सेक्टर में विकास और प्रगति के लिए नए solutions दिए हैं।
14. व्यापार में विकास के लिए ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा दिया गया है, कानूनों को आसान बनाया गया है, कानूनों के अंदर जो compliance थे, उन्हें सरल बनाया गया है। इन सबका उद्देश्य यही है कि सरकार का हस्तक्षेप व्यापार में कम से कम हो।
15. ये वो सरकार है जिसका विश्वास minimum government - maximum governance में है। आपने देखा होगा कि किस प्रकार हमने जन विश्वास कानूनों के माध्यम से अपने लीगल सिस्टम को जन केंद्रित

किया है। बहुत से ऐसे कानून थे जो अंग्रेजों के समय के बने हुए थे। आज के समय उनकी उपयोगिता अधिक नहीं रह गई थी क्योंकि वे जनता के ऊपर अविश्वास के आधार पर बने हुए थे। इसलिए हमने इन कानूनों को आज की जरूरत के अनुरूप बनाया है।

16. मित्रों, आप देखेंगे कि माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा गवर्नेंस मॉडल दो धाराओं पर एक साथ आगे बढ़ रहा है। एक तरफ हम 20वीं सदी की चुनौतियों का समाधान निकाल रहे हैं। और दूसरी तरफ, हम देश की 21वीं सदी की aspirations को पूरा करने में जुटे हुए हैं। इन वर्षों में देश ने आर्थिक क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां प्राप्त की हैं।
17. मित्रों, यदि Food processing sector की बात करें तो पिछले 10 वर्षों में इस सेक्टर में आमूल परिवर्तन आए हैं। इस क्षेत्र में सरकार ने विकास के लिए में 2 लाख से ज्यादा सूक्ष्म उद्योगों को मजबूत करने का भी प्रयास किया है।
18. आप सभी One District, One Product अभियान से भी परिचित होंगे। इसका लक्ष्य ये है कि हर जिले में कम से कम एक मशहूर उत्पाद को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों तक पहुंचाने के लिए हम प्रयास करें। ये हर जिले को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभा सकता है।
19. मुझे विश्वास है कि इस नवगठित परिषद के माध्यम से आप भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव लाने में सफल होंगे, और इस मंच के माध्यम से आप अपनी मूल दक्षताओं और सामूहिक शक्तियों का लाभ उठा सकते हैं।
20. आपकी सफलता में Technology भी एक अहम रोल अदा कर सकती है। Dry Fruits products की processing ज्यादा से ज्यादा बढ़ानी होगी,wastage कम करना होगा, जिससे किसानों को भी फायदा होगा, और price fluctuation को रोकने में भी मदद मिलेगी।

    हमें किसानों के हितों और consumers satisfaction के बीच भी संतुलन बनाना होगा। मुझे विश्वास है, इस आयोजन में ऐसे सभी विषयों पर विस्तार से विमर्श होगा। यहां जो निष्कर्ष निकलेंगे उनसे एक sustainable और food secured भविष्य की नींव पड़ेगी।
21. आज हमारे देश में कृषि से लेकर हर क्षेत्र में नई तकनीकी-नई प्रौद्योगिकी का विकास हुआ है। किस तरह से हम आज की तकनीक का उपयोग करके बेहतर क्वालिटी को मेन्टेन रखते हुए अपना उत्पादन बढ़ाएं, और ना सिर्फ उत्पादन बढ़े, इसी के साथ उसकी प्रॉपर पैकेजिंग हो, ज़ीरो वेस्टेज हो; इस दिशा में ध्यान देने की आवश्यकता है।

22. देश में अपडेटेडटेक्नॉलजी के साथ आज कोल्ड स्टोरेज चेन की फैसिलिटी है। सरकार के साथ साथ निजी क्षेत्र का निवेश भी बढ़ रहा है।
23. मैं समझता हूँ कि सामूहिक प्रयासों से ही इस दिशा में बेहतर रिज़ल्ट आ पाएंगे।
24. मुझे आशा है कि इस कॉन्फ्रेंस में इन सभी बिंदुओं पर, सभी विषयों पर चिंतन किया जाएगा। इस conference में आप कई futuristic subjects पर चर्चा करेंगे।
25. मुझे विश्वास है कि इस चर्चा संवाद से जो निर्णय निकलेंगे उससे Industryऔर बड़े वैश्विक हित दोनों का लाभ इस सेक्टर को मिलेगा।
26. हम आम जनमानस को ड्राइ फ्रूट्स के लाभ के बारे में अधिक जागरूक करने के साथ ही देश में इसके प्रोडक्शन को बढ़ाने पर भी उचित कार्य कर पाएंगे। इसी संदेश के साथ आप सभी को अनेक शुभकामनाएं।